श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भिलाई (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,रायपुर

एवं

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली

के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय

छत्तीसगढ़ ज्ञान सभा वि.स. २०८२

विकसित भारत स्वर्णिम युग की ओर २०४७

''छत्तीसगढ़ के विकास के लिए शिक्षा''

: मुख्य अतिथि :

श्री सुरेश भैय्याजी जोशी

वरिष्ठ प्रचारक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, नागपुर

कार्यक्रम विवरण

प्रथम दिवस – 28 फरवरी 2026

क्षेत्र : विद्यालयीन शिक्षा

स्थान: श्री शंकराचार्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, जुनवानी, भिलाई

समय: प्रात: **10.30** से सायं **4.30** बजे तक

मुख्य उद्येश्य

- विकसित भारत 2047 के परिप्रेक्ष्य में विद्यालयीन शिक्षा / शिक्षक / विद्यार्थी / पालक एवं समाज की भूमिका
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं कौशल आधारित शिक्षण, खेल-खेल में शिक्षा
- मानवीय मूल्यों व भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षण मॉडल
- शिक्षा में मातृभाषा का समावेश

द्वितीय दिवस – 01 मार्च 2026

क्षेत्र : महाविद्यालयीन शिक्षा

स्थान: श्री शंकराचार्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, जुनवानी, भिलाई

समय: प्रात: **10.30** से दोपहर **01.00** बजे तक

मुख्य उद्येश्य

- विकसित भारत 2047 के लिए उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता
- वैश्विक प्रतिस्पर्धा हेतु छात्र तैयारी
- भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित उच्च शिक्षा प्रणाली का संवर्धन
- भारतीय इतिहास का पाठ्य पुस्तकों तक केंद्रीकरण न होना

मुख्य संरक्षक

डॉ. अतुल कोठारी
राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली

श्री आई.पी. मिश्रा
कुलाधिपति, श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल युनिवर्सिटी, भिलाई

डॉ. वी.के.गोयल
अध्यक्ष, छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, रायपुर

संरक्षक

प्रो. राजीव प्रकाश
निदेशक, आई.आई.टी., भिलाई

डॉ. आलोक कुमार चक्रवाल
कुलपति, गुरू घासीदास केन्द्रीय वि.वि., बिलासपुर

श्री ओमप्रकाश शर्मा जी
राष्ट्रीय संयोजक, शिक्षा से अत्मनिर्भरता
शिक्षा सस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली

समन्वयक

श्री दिलीप केशरवानी
प्रांत संयोजक,शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

डॉ.जया मिश्रा, अध्यक्ष
श्री गंगाजली शिक्षण समिति, भिलाई

डॉ.प्रताप.बी.देशमुख, निदेशक
श्री शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस, भिलाई

डॉ.स्मिता सेलट, कुलसचिव
श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई

डॉ.सुशील चंद्र तिवारी
निदेशक विकास,श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी

मुख्य संरक्षक

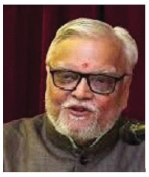

डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
नई दिल्ली

श्री. आई.पी. मिश्रा,कुलाधिपति
श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल
यूनिवर्सिटी, भिलाई छ.ग.

डॉ. वी.के. गोयल,अध्यक्ष
छ.ग. निजी विश्वविद्यालय
विनियामक आयोग, रायपुर

श्री गंगाजली शिक्षक समिति-परिचय

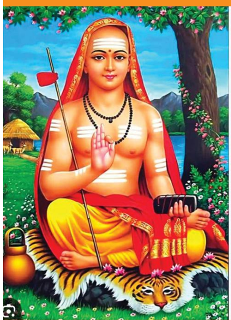

1994 में स्थापित श्री गंगाजली शिक्षण समिति का मुख्य उद्देश्य प्राचीन संस्कृति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और प्रदेश के विकास में सहभागी बनना हैं। समिति में उद्योग, शिक्षा, प्रशासन और सामाजिक क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति शामिल हैं, और इसे आदिगुरू श्री शंकराचार्य जी का आर्शिवाद प्राप्त हैं। शैक्षणिक क्षेत्र में समिति द्वारा संचालित संस्थाएं इंजीनियरिंग, प्रबंधन, चिकित्सा, फॉर्मेसी, नर्सिंग, शिक्षा, विज्ञान और मानविकी में स्नातक और स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरेट कार्यक्रम उपलब्ध कराती हैं। विद्यार्थियों को उद्योगों तथा विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर रोजगार उपलब्ध कराने, रोजगार परक कौशल पूर्ण व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करती हैं।

श्री गंगाजली एजुकेशन समिति जुनवानी भिलाई द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थाएं

- श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई
- श्री शंकराचार्य इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जुनवानी, भिलाई
- अभिषेक आई मिश्रा मेमोरियल मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च, जुनवानी भिलाइ
- श्री शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस, भिलाई
- कमला इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज
- श्री शंकराचार्य कॉलेज ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज, भिलाई
- श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च, भिलाई
- कमलादेवी इंस्टीच्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज
- सोमकला एकेडमी ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज
- श्री शंकराचार्य महाविद्यालय, भिलाई
- शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद कॉलेज ऑफ नर्सिंग, भिलाई
- श्री शंकराचार्य विद्यालय, हुडको
- श्री शंकराचार्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग, हुडको
- स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय, हुडको
- जगतगुरु शंकराचार्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन
- श्री शंकराचार्य इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, रायपुर
- जगतगुरु शंकराचार्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग, रायपुर
- श्री शंकराचार्य इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, रायपुर

श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई

श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी एक निजी विश्वविद्यालय है, जिसकी स्थापना 2020 मे छत्तीसगढ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 के अंतर्गत भिलाई (छ.ग.) में की गई।

इस विश्वविद्यालय की स्थापना विद्यार्थियों के लिए बेहतर भविष्य निर्माण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के माध्यम से अग्रणी बनाने की दृष्टि से की गई है। विश्वविद्यालय का मिशन सामाजिक रूप से उत्कृष्ट नागरिकों का विकास कर समाज की सतत प्रगति में सकरात्मक योगदान देना है। मूल्य आधारित शिक्षा को सर्वोपरी मानते हुए विश्वविद्यालय उत्कृष्टता, निष्पक्षता, ईमानदारी एवं पारदर्शिता को बढ़ावा देता है। छत्तीसगढ़ प्रदेश की शिक्षा–संस्कारधानी औद्योगिक नगर भिलाई में शिक्षा के नए आयाम स्थापित करने एवं उच्च शिक्षा में विश्वस्तरीय अनुसंधान, ज्ञान के विकास में सक्रिय पहल जारी है।

विश्वविद्यालय ने विगत वर्षों में शैक्षणिक क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण ज्ञान के विकास और बौद्धिक क्षमताओं के विकास में अपना महती योगदान दिया है जो निरंतर जारी है। विश्वविद्यालय द्वारा फार्मेसी, इंजीनियरिंग, विधि, साईस; कला, पत्रकारिता, वाणिज्य प्रबंधन, फिजिकल एजुकेशन, कंप्यूटर एप्लिकेशन्स, शिक्षा आदि पाठ्यक्रम संचालित हैं।

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग

छत्तीसगढ में निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना, विनियमन और उच्च शिक्षा के मानकों को बनाए रखने के लिए एक वैधानिक निकाय हैं, जिसे "छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 के तहत स्थापित किया गया है। जिसका उद्देश्य शिक्षण, परीक्षा, और शोध में गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा छात्रों के हितों की रक्षा करना है। यह आयोग निजी विश्वविद्यालयों के लिए मानक तय करता है और उनके कामकाज की समीक्षा करता है। आयोग यू.जी.सी. और अन्य नियामक निकायों, छत्तीसगढ शासन के दिशानिर्देशो का अनुपालन सुनिश्चित करता है।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यासः परिचय

"देश को बदलना है तो शिक्षा को बदलो"
"माँ, मातृभूमि, मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं"

5 अगस्त 1947 को यूनियन जैक के स्थान पर तिरंगा फहराया गया, परंतु देश की विभिन्न व्यवस्थाओं में, शिक्षा सहित, किसी भी प्रकार का मूलभूत बदलाव नहीं किया गया। देश की शिक्षा व्यवस्था एक आधारभूत विषय है। स्वतंत्रता के बाद अपेक्षा थी कि देश की शिक्षा का स्वरूप भारतीय दृष्टिकोण से अपनी आवश्यकता के अनुरूप होगा, परंतु ऐसा नहीं हुआ।

देश की अधिकांश समस्याओं की जड़ देश की दोषपूर्ण शिक्षा व्यवस्था है। इसलिए शिक्षा में परिवर्तन प्राथमिकता का विषय होना चाहिए। इस हेतु 2 जुलाई 2004 को शिक्षा बचाओ आन्दोलन, प्रारम्भ किया गया। इसके माध्यम से देशभर में शिक्षा के पाठ्यक्रम में व्याप्त विकृतियों के विरुद्ध आन्दोलन चलाया गया।

शिक्षा में आधारभूत परिवर्तन तथा देश की शिक्षा को एक नया विकल्प देने के उद्देश्य से 24 मई 2007 को शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का गठन किया गया। देश की शिक्षा अपनी संस्कृति, प्रकृति एवं प्रगति के अनुरूप बने इस हेतु न्यास द्वारा विमित्र विषयों पर कार्य प्रारम्भ किए गए हैं, जो इस प्रकार है–चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास व मूल्यपरक शिक्षा वैदिक गणित, पर्यावरण शिक्षा, शिक्षक शिक्षा, शिक्षा में स्वायतत्ता, प्रतियोगी परीक्षा, प्रबंधन शिक्षा, शोध प्रकल्प, तकनीकी शिक्षा, इतिहास शिक्षा की भारतीय दृष्टि, भारतीय ज्ञान परम्परा। उक्त कार्य तीन आयामों।
1. भारतीय भाषा अभियान 2. भारतीय भाषा मंच 3. शिक्षा स्वास्थ्य न्यास तथा तीन कार्य विभागों 1. प्रकाशन कार्य 2. प्रचार–प्रसार कार्य 3. महिला कार्य के साथ निरंतर कार्यरत है।
शिक्षा संस्कृति उत्थान व्यास के संस्थापक श्री स्व. दीनानाथ बत्रा हैं जो विद्या भारती के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं। न्यास का घोषित लक्ष्य वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की वैकल्पिक व्यवस्था की स्थापना करना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिये न्यास शिक्षा के पाठ्यक्रम, प्रणाली, विधि और नीति को बदलने तथा शिक्षा के भारतीयकरण को आवश्यक मानता है।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का मुख्य उद्देश्य भारतीय शिक्षा को उसकी मूल संस्कृति, परंपरा और जीवन–मूल्यों से पुनः जोड़ना है। न्यास इस विचार पर आधारित है कि शिक्षा केवल आजीविका का साधन नहीं, अपितु व्यक्ति का सर्वांगीण विकास और राष्ट्र निर्माण का माध्यम है।

ज्ञानसभा-उद्देश्य एवं वैचारिक आधार

भारतीय शिक्षा व्यवस्था का मूल उद्देश्य सदैव व्यक्ति के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना रहा है। ऐसी शिक्षा जो जीविकोपार्जन तक सीमित न होकर मानव के शरीर, मन, बुद्धि, हृदय और आत्मा के संतुलित विकास को साधे, वही सच्चे अर्थों में समय एवं सार्थक शिक्षा कहलाती है। भारतीय परंपरा में शिक्षा को जीवन का आधार माना गया है, जो व्यक्ति को केवल दक्ष संस्कारित संवेदनशील और आत्मबोध से युक्त नागरिक बनाती है।

इसी पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP–2020) एक सार्थक एवं दूरदर्शी पहल के रूप में सामने आती है। यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक आवश्यकताओं के साथ समन्वित करते हुए सृजनशीलता, आलोचनात्मक चिंतन, नैतिकता, कौशल विकास, योग, पर्यावरण चेतना और जीवन कौशल को समान महत्व देती है।

ज्ञान सभा का उद्देश्य भारतीय शिक्षा दर्शन को पुनः जागृत करना, शिक्षकों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों और समाज के प्रबुद्धजनों की एक साझा वैचारिक मंच प्रदान करना है। जहाँ भारतीय ज्ञान परंपरा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और वर्तमान शैक्षिक चुनौतियों पर गंभीर चिंतन एवं संवाद हो सके। ज्ञान सभा का लक्ष्य केवल विमर्श नहीं, बल्कि शिक्षा को जीवन, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण से जोड़ना है।

स्वर्णिम युग की ओर विकसित भारत 2047

"विकसित भारत 2047 का दृष्टिकोण भारत को स्वतंत्रता के 100 वर्ष तक एक ऐसे राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है जो आर्थिक रूप से सशक्त, सामाजिक रूप से समावेशी, सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली तथा तकनीकी रूप से अग्रणी हो। इस राष्ट्रीय संकल्प की पूर्ति में क्षेत्रीय विशेषताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। मध्य भारत का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक दृष्टि से समृद्ध क्षेत्र छत्तीसगढ़ विकसित भारत के स्वर्णिम युग की दिशा में एक सशक्त आधार प्रदान करता है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश अपने में देश की आदिवासी संस्कृति प्राचीन भारतीय परंपरा की सशक्त पहचान को प्रस्तुत करने में सफल रहा हैं। आज यही परंपराएँ आधुनिक विकास मॉडल से जुड़कर सतत एवं मूल्य–आधारित विकास कर मार्ग प्रशस्त कर रही हैं।

लेख/ शोध-आलेख के उपविषय

विद्यालयीन शिक्षा / School Education

- **विद्यालयीन शिक्षा में राष्ट्रीय नीति 2020 के प्रति सामाजिक जागरूकता एवं स्वीकृति: आलोचनात्मक दृष्टिकोण**
  Social awareness and acceptance towards National Education Policy 2020 in school education: A critical perspective

- **भारतीय ज्ञान परंपरा एवं मूल्य परक शिक्षा का विद्यालयीन शिक्षा पाठ्यक्रम में समावेश: महत्व एवं चुनौतियाँ**
  Inclusion of Bhartiya Gyan Parampara and Value based Education in curriculum of school education: Importances and challenges

- **विद्यालयीन शिक्षा में तकनीकी आधारित शिक्षा और डिजिटल कक्षा की संभावनाएं (छत्तीसगढ़ के संदर्भ में)**
  Technology Enhanced in School Education: Context of Chhattisgarh

- **विद्यालयीन शिक्षा में सतत आकलन एवं मूल्यांकन में आने वाली चुनौतियां एवं समाधान**
  Challenges faced by school teachers in continuous assessment and evaluation, and their solutions

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में उच्च शिक्षा एवं विद्यालयीन शिक्षा में सामंजस्य में आने वाली चुनौतियां एवं समाधान**
  Challenges and solutions in achieving alignment between higher education and school education in the context of the National Education Policy (NEP) 2020

महाविद्यालयीन शिक्षा / Higher Education

- **21वीं शताब्दी की शिक्षा प्रणाली में शिक्षकों की भूमिका को पुनः परिभाषित करना**
  Redefining the role of teachers in the 21st century education system

- **उच्च शिक्षा में कौशल विकास, जीवनपर्यंत अधिगम एवं रोजगार परक शिक्षा प्रदान करना: भारत के संदर्भ में चुनौतियाँ**
  Skill development, lifelong learning, employable education in high education: Challenges in the contexts of India

- **उच्च शिक्षा के बहुविषयक उपागम: उपयोग एवं महत्व**
  Interdisciplinary approaches to higher education: Uses and importance

- **उच्च शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति की भूमिका: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में**
  Role of Bhartiya Gyan Parampara and Culture in higher education: Context of NEP 2020

- **छत्तीसगढ़ के विकास में उच्च शिक्षा की भूमिकाः अवसर और चुनौतियाँ**
  Role of higher education in development of Chhattisgarh:opportunities and challenges.

कार्यक्रम में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें, पर्यावरण की सुरक्षा में योगदान दें।

लेख और शोधपत्र हेतु निर्देश:

MS word, Page Layout-A4, line spacing-1.5,
Alignment-Justified,
Margin- Top-1',Bottom-1',Left-1.5',Right-1'
Font- मंगल/Times New Roman, Size of font Title -18,
Size Justified of the Fonts Text-14
संपर्क:– 9977258200 (डॉ.राजेश चौधरी)

टीप: केवल संक्षेप (Abstract) 200 से 300 शब्दों में ही प्रकाशित किए जाऐंगे ।

शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथी– 15 फरवरी 2026

प्रदर्शनी हेतु निर्देश

सभी विश्वविद्यालय/महाविद्यालय/ शालाओं से राष्ट्रीय शिक्षा नीति/संस्था के उत्कृष्ट कार्य से संबंधित प्रदर्शनी का आयोजन 28 फरवरी एवं 01 मार्च 2026 को होगा
स्टॉल संबंधी विस्तृत जानकारी हेतु
संपर्क:– 9977258200 (डॉ.स्वर्णाली दास पॉल)

ithdj.k grq xxy Qke
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLS

लेख और शोधपत्र ई-मेल :
gyansabhabhilai@gmail.com

लोकेशन के लिए

QR को स्कैन करें

श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल युनिवर्सिटी भिलाई (छ.ग.)

वेबसाइट: www.shrishankaracharyauniversity.com
ई-मेल : registrar@shrishankaracharyauniversity.com
सपर्क: 98934-58493, 94241-10784